हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

अफसरों ने की आरा मशीनों पर छापेमारी

किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सरकार प्रयासरत

शुक्रवार, 17 मार्च, 2023 | लखनऊ से प्रकाशित | वर्ष : 09, अंक : 781, पृष्ठ : 08, मूल्य : 2 रुपये

वालों में दिवाकर मिश्रा, फूलचंद पाल, बाथम, संजय श्रीवास्तव आदि रहे। का अनुमान है। अभियुक्तों को रामलीला मैदान थाना अभिरक्षा में भेज दिया गया।

फसल सुरक्षा पर निर्भर करती है फसल की उपज

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम सहतावनपुरवा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने बताया कि किसी भी फसल की अधिकतम उपज मुख्यरूप से फसल सुरक्षा पर निर्भर करती है। अन्य फसलों की भांति गेहूं की फसल में भी खरपतवारों से काफी नुकसान होता है।

गेहूँ की फसल में पाये जाने वाले खरपतवार मुख्यतया कृष्णनील, सत्यानाशी, प्याजी, जंगली जई, भृंग, बथुआ, कटहली, हिरन खुरी, गजरी, मटरी, मैना, मेथा, मंडूसी, बनघनिया, गेला आदि हैं। मंडूसी अथवा गुल्ली डंडा अथवा गेहूं का मामा खरपतवार, गेहूँ की फसल का मुख्य खरपतवार है। इसको यदि समय से नियंत्रित नहीं किया गया तो इसकी संख्या एक वर्ग मीटर में लगभग 2000 से 3000 तक पहुँच जाती है ।इसी नुकसान से बचने

हेतु कृषि विज्ञान केंद्र कानपुर देहात की पादप सुरक्षा इकाई द्वारा मैथा ब्लॉक के 4 गांव क्रमशः अनूपपुर, मझियार, औरंगाबाद, सहतावनपुरवा व रुदापुर में क्लाडिनोफाप् व मेट्रिब्यूज़ील नामक दवाओं का वितरण अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन अंतर्गत किया गया था। जिसके परिणाम उत्साहजनक है।

इस दवा के द्वारा 95 प्रतिशत तक नियंत्रण है। इसके परिणाम कृषकों को दिखाने हेतु 16 मार्च, दिन गुरुवार को ग्राम सहतावनपूरवा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रक्षेत्र दिवस पर कृषकों को दवा के बारे में बताते हुए डॉ अजय कुमार सिंह पादप सुरक्षा वैज्ञानिक व केंद्र प्रभारी ने बताया कि यह दवा गेहूँ के चौड़ी पत्ती व पतली पत्ती दोनों प्रकार के खरपतवारों पर प्रभावी है। इसके एक पैकेट 30-30 ग्राम की, 8 पुड़िया होती हैं प्रत्येक पुड़िया एक टंकी यानी 15-18 ली0 पानी में घोल कर खेत पर छिड़काव किया जाना चाहिए। इस दवा का एक पैकेट लगभग 2 बीघा हेतु हेतु पर्याप्त होता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ अरुण सिंह, डॉ शशिकांत, डॉ राजेश राय डॉ निमिषा अवस्थी समेत सहतावनपुरवा व औरंगाबाद के कृषक छुन्ना सिंह, चरण सिंह, अशोक, राम प्रसाद इत्यादि उपस्थित रहे।

विद्युत अधिकारी व कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी

राठ, हमीरपुर। विभिन्न मांगों को लेकर विद्युत अधिकारी व कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। सब डिवीजन कार्यालय में चल रहे धरना प्रदर्शन के कारण उपभोक्ता परेशान नजर आए। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वधान में विद्युत उपखंड कार्यालय में अवर अभियंता वीके पांडे की अध्यक्षता में दूसरे दिन अधिकारी, जूनियर इंजीनियर, संविदा कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन जारी रहा और दिन भर नारेबाजी होती रही। जेई बीके पांडे ने कहा कि 15 सूत्रीय मांगों पर सहमति बनी थी। जिनको 15 दिनों के भीतर निराकरण का आश्वासन दिया था। मगर 3 माह बीत जाने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हो सका और प्रदेश के बिजली कर्मचारी कार्य बहिष्कार करने को मजबूर हुए। दूसरे दिन कार्यालय परिसर में धरने पर बैठे कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। काम बंद रहने से उपभोक्ता भी परेशान नजर आए। बिल जमा करने आये उपभोक्ता मायूस लौट गए। धरने पर एसडीओ चंदन यादव, निरंजन चौधरी, विष्णो कुमार, अभिनव मिश्रा, अनिल कुमार, सूर्य कुमार, शैलेंद्र कुमार, आशीष सक्सेना, अरशद सहित सरीला और राठ के समस्त संविदा कर्मी मौजूद रहे। गुरुवार रात से विद्युत कर्मचारी की हड़ताल शुरू होगी। सभा का संचालन नसीम अहमद ने किया।

वर्ष: 7, अंक : 293 पृष्ठ : 8
कानपुर महानगर, गुरुवार
16 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3.00

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नए कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर, बंदूक के दुरुपयोग पर लगेगा अंकुश....11

फसल अवशेष योजना अंतर्गत हुआ एक दिवसीय प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम संपन्न

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत ग्राम सहतावनपुरवा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता ग्राम के प्रगतिशील किसान छुन्ना सिंह ने की। इस कार्यक्रम में ग्राम के 60 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय ने किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए जागरूक किया साथ ही कहा की फसलों के अवशेष को मृदा में ही सड़ा देने से पोषक तत्वों की मात्रा पौधों को मिलती है। फसल अवशेष प्रबंधन के नोडल अधिकारी डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि रोटावेटर और सुपर सीडर मल्चर से फसल अवशेष को खेत मे दबा देने से गेहूं की फसल अच्छी होती है। इस कार्यक्रम में केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने किसानों व महिला किसानों से कहा कि फसल अवशेषों से वे मशरूम उत्पादन करें। इस अवसर पर खेत में किसानों को गेहूं की फसल भी दिखाई गई। सभी किसान फसल को देखकर सहमत हुए कि अब हम फसल अवशेषों में आग नहीं लगाएंगे। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने किसानों को संबोधित किया। अंत में ग्राम के सम्मानित किसान छुन्ना सिंह यादव ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

मिलेट निर्यात पर एक दिवसीय सेमिनार का हुआ आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

कानपुर । चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय एवं संयुक्त निदेशक विदेश व्यापार वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में कृषि उत्पाद निर्यात की सम्भावना एवं क्षमता विकास विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के आयोजन पर कुलपति डा बिजेन्द्र सिंह द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई। उन्होंने बताया कि भारत में मिलेट के उत्पादनए उत्पादकता एवं प्रसंस्करण के क्षेत्र में नये उद्यमिता विकास की अपार संभावनायें हैं। इसमें देश के छात्रों एवं युवाओं को आगे आना चाहिए। कार्यशाला की अध्यक्षता निदेशक प्रसार डॉण् आरके यादव द्वारा की गयी। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में डा यादव द्वारा बताया गया कि भारत सरकार के प्रयास पर इस वर्ष 72 देशो में अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 223 मनाया जा रहा है जिसका उदेश्य मोटे अनाजों का उत्पादन बढ़ाते हुये भोजन में सम्मिलत करना हैकार्यक्रम में संयुक्त

निदेशक विदेश व्यापार अमित कुमार द्वारा बताया गया कि देश के कुल मिलेट उत्पादन का केवल 1 प्रतिशत की निर्यात किया जाता है। विदेशों में लगातार बढ़ रही मांग के अनुरूप मोटे अनाज के निर्यात की अधिक संभावना है। उन्होंने कहा कि शहर से भी सब्जीए फलए गेहूंए धान आदि उत्पादों का निर्यात हो रहा है। निदेशक सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम वीके वर्मा द्वारा बताया गया कि भारत सरकार द्वारा लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये एमएसएमई का सरलीकरण कर दिया गया है जिससे निःशुल्क पंजीकरण की सुविधा हो गयी है। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण सेक्टर में महिलाओं को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार विशेष प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में सहायक कृषि विपणन अधिकारी मण्डल कमलकान्त त्यागी द्वारा बताया गया कि कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये निर्यात से सम्बन्धित सभी संस्थाओं को एक साथ मिलकर सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि आलू के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये विशेष प्रयास जारी है। शाखा प्रबन्धक निर्यात क्रेडिट गारंटी निगम लिमिटेड धनंजय झा द्वारा बताया गया कि निर्यात से सम्बन्धित सेवायें प्रदान कर देश में निर्यात को बढ़ावा दिया जा रहा है।

निदेशक शोध डॉण् पीके सिंह द्वारा कहा गया कि विवि मिलेट फसलों के प्रजातीय विकास के साथ.साथ उनके मूल्य संवर्धन पर भी काम कर रहा है तथा निकट भविष्य में फसल विशेष के अनुरूप उत्पादन तकनीकों का भी विकास किया जायेगा।

कार्यशाला में छः थीम में विभिन्न शोध पत्रों के पोस्टर प्रस्तुत किये गये जिसमें प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के संयोजक सचिव डा वाईकेसिंह ने बताया कि कार्यक्रम में कुल 72 छात्र.छात्राओंए वैज्ञानिकों उद्यमियों एवं एफपीओ प्रतिनिधियों में आनलाईन एवं आफलाईन माध्यम से प्रतिभाग किया।

हिंदुस्तान कानपुर 16/03/2023

मोटा अनाज दस गुना निर्यात करने की तैयारी

कानपुर। कोविड के बाद मिलेट्स (मोटे अनाज) की मांग तेजी से बढ़ी है। 2023 को भी मिलेट्स ईयर के रूप में मनाया जा रहा है। इस साल देश में 479 करोड़ का मिलेट्स निर्यात किया गया है, जिसे दस गुना करने की तैयारी है। यह बात संयुक्त निदेशक विदेश व्यापार अमित कुमार ने कही। कहा कि यूएई, नेपाल, जापान, जर्मनी, यूएसए, सउदी अरब में लगातार निर्यात किया जा रहा है। इंडोनेशिया समेत कई देशों में मांग बढ़ी है।

सीएसए में कृषि उत्पाद निर्यात की संभावना एवं क्षमता विकास पर सेमिनार हुआ। अमित कुमार ने कहा कि पिछले वर्ष 150 करोड़ का ज्वार, 149 करोड़ का बाजरा समेत अन्य मोटे अनाज निर्यात किए गए थे। निदेशक शोध डॉ.पीके सिंह ने मिलेट्स फसलों की प्रजातियों के बारे में जानकारी दी।

अधिकतम तापमान 30.00° >> न्यूनतम तापमान 20.00° >> सूर्योदय 6:15 >> सूर्यास्त 18:15 >> डॉलर 82.87 >> यूरो 87.28 >>

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-07, अंक-160 | गुरुवार 16 मार्च 2023 | कुल पृष्ठ 14 | मूल्य 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

यूपी में एक अप्रैल से चलेगा संचारी रोग नियंत्रण को लेकर महाअभियान : पेज 14

मिलेट निर्यात पर एक दिवसीय सेमिनार का हुआ आयोजन

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय एवं संयुक्त निदेशक विदेश व्यापार वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में कृषि उत्पाद निर्यात की सम्भावना एवं क्षमता विकास विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के आयोजन पर कुलपति डा बिजेन्द्र सिंह द्वारा प्रसनता व्यक्त की गई। उन्होंने बताया कि भारत में मिलेट के उत्पादन, उत्पादकता एवं प्रसंस्करण के क्षेत्र में नये उद्यमिता विकास की अपार संभावनायें हैं। इसमें देश के छात्रों एवं युवाओं को आगे आना चाहिए। कार्यशाला की अध्यक्षता निदेशक प्रसार डॉ. आर०के० यादव द्वारा की गयी। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में डा

यादव द्वारा बताया गया कि भारत सरकार के प्रयास पर इस वर्ष 72 देशो में अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 मनाया जा रहा है जिसका उदेश्य मोटे अनाजों का उत्पादन बढ़ाते हुये भोजन में सम्मिलत करना है।कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक विदेश व्यापार अमित कुमार द्वारा बताया गया कि देश के कुल मिलेट उत्पादन का केवल 1 प्रतिशत की निर्यात किया जाता है।